

Demand to change the name of New Delhi Railway Station to 'Hind Ki Chaadar'

श्रीमती रंजीत रंजन (छत्तीसगढ़): सभापति जी, आपने मुझे यहाँ बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से सरकार से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को "हिंद दी चादर" - श्री गुरु तेग बहादुर जी, जो सिखों के नौवें गुरु थे, उनके नाम पर रखने का आग्रह करती हूं। मान्यवर, पुरी साहब भी यहाँ बैठे हैं, वे अच्छी तरह से हिस्ट्री जानते हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम "हिंद दी चादर", गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर इसलिए होना चाहिए, क्योंकि उनकी शहीदी पुरानी दिल्ली शीशगंज गुरुद्वारा साहिब चॉदनी चौक में हुई थी। मैं आपके द्वारा सरकार से आग्रह करूंगी कि 24 नवंबर, 2024 को - जब गुरु तेग बहादुर जी का शहीदी गुरु पर्व मनाया जाता है, हम उनकी शहीदी याद करते हैं - उस वक्त अगर सरकार चाहे, तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के नाम की घोषणा हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर जी के नाम से कर सकती है। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए औरंगजेब से लोहा लिया था। ऐसा माना जाता है कि दुनिया में मानव अधिकारों के लिए अगर किसी ने पहली शहादत दी थी, तो वह नाम गुरु तेग बहादुर साहब का था। वे सिखों के नौवें गुरु थे, जिन्होंने तिलक और जनेऊ की रक्षा के लिए कुरबानी दी थी। जब कश्मीरी पंडित गुरु तेग बहादुर जी के पास गए थे, जब औरंगजेब ने पूरी दुनिया और भारत में गदर मचाया था, लोगों को जबरदस्ती धर्मातरण के लिए मजबूर किया था, तब सारे लोग, खासकर कश्मीरी पंडित और हिंदू लोग गुरु तेग बहादुर जी के पास गए थे और उनसे अपने धर्म को बचाने की गुहार लगाई थी। तब, उस शर्त में औरंगजेब ने कहा था कि या तो गुरु तेग बहादुर जी खुद मुसलमान बन जाएं या वे बलिदान दें। गुरु तेग बहादुर जी ने अपनी शहीदी देकर इस देश की संस्कृति को और इस बात को बताया था कि मानवता से ऊपर कुछ नहीं है और सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए। ... (समय की घंटी) ... किसी भी धर्म का यह राइट नहीं है कि दूसरे धर्म में आने के लिए आप उसे जबरदस्ती का धर्मातरण करवाएं। ...

श्री सभापति : मैडम, 12 बज गए हैं।

The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Ranjeet Ranjan: Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh) and Dr. Fauzia Khan (Maharashtra).

ANNOUNCEMENT BY THE CHAIR

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, after giving my thoughtful consideration and taking into account the import of the situation given in the notices under Rule 267 by Shri Sudhanshu Trivedi, Shri Ram Chander Jangra, Shri Surendra Singh Nagar, Ms. Swati Maliwal and others, I find that the issue concerns our promising youth demographic dividend and is wholesome for development of the nation. The issue involves urban

infrastructure as well as other aspects of governance, including that of education. Under these circumstances, I deem it proper to allow a Short Duration Discussion under Rule 176 immediately after the Question Hour. This Discussion may normally confine to two-and-a-half hours. Now, Question Hour. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAGHAV CHADHA: Sir, my point of order, please. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Now, Question Hour.

12.00 Noon

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Coal supply for power sector in Tamil Nadu

*61. SHRI R. GIRIRAJAN: Will the Minister of COAL be pleased to state:

- (a) whether Government is aware that as per Government's report on Integrated Coal Logistics Plan for efficient coal evacuation, the maximum coal demand of power sector in Tamil Nadu will rise to 65.7 million tonnes by 2030;
- (b) if so, the details thereof; and
- (c) steps taken by Government to support and facilitate the power sector in Tamil Nadu for adequate supply of coal for functional thermal units and for the upcoming thermal plants viz.,, Ennore SEZ Super Critical Thermal Power Project of 1,320 MW, North Chennai Thermal Power Station Stage III expansion of 800 MW and Udangudi Super Critical Thermal Power Project Stage 1-1,320 MW?

THE MINISTER OF COAL (SHRI G. KISHAN REDDY): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Yes Sir. The Integrated Coal Logistics Plan was prepared and launched by the Ministry of Coal in February 2024. It projected the optimistic coal demand for power sector in Tamil Nadu state by FY2030 as 65.7 million tonnes and realistic coal demand is 56.6 million tonnes.